न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट,टोंक

पीठासीन अधिकारी– रामरतन सौंकरिया
आर.ए.एस.

मिसल नम्बर	तारीख दायरा	तारीख निर्णय
19/2026 प्रा.पत्र/2026	26.02.2026	17.04.2026

जीसीएमएस नं0–50/2026

सत्यनारायण गूर्जर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, टोंक कार्यालय जिला खाद्य सुरक्षा व औषधि नियंत्रण टोंक राज0।

............प्रार्थी

बनाम

1–श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन निवासी प्लॉट नं0 26 शान्ति नगर दीनदयाल कॉलोनी निवाई जिला टोंक राज0 एफ.बी.ओ. मैसर्स जे.के. एाजेन्सीज प्लॉट नं0 24 कृषि मण्डी गेट नं0 2 के सामने झिलाई रोड निवाई जिला टोंक पिनकोड–304021 मोबाईल नं0 9214085305

2–मैसर्स जे.के. एजेन्सीज प्लॉट नं0 24 कृषि मण्डी गेट नं0 2 के सामने झिलाई रोड निवाई जिला टोंक पिनकोड–304021

.........अप्रार्थी

जुर्म अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 की धारा 26(2) की उप धारा (ii) एवं दण्डनीय धारा 51 (सहपठित धारा 49)

उपस्थित–

1–पेरोकार सरकार।
2–अप्रार्थी श्री नरेन्द्र कुमार जैन स्वयं उप0।

:–निर्णय–: दिनांक 17/4/26

संक्षेप में प्रार्थना पत्र का सार इस प्रकार है कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 03.12.2025 को समय 03.30 पी.एम. पर मैसर्स जे.के. एाजेन्सीज प्लॉट नं0 24 कृषि मण्डी गेट नं0 2 के सामने झिलाई रोड निवाई जिला टोंक पर पहुंचा। वहॉ पर खाद्य कारोबारकर्ता एवं विकेता की हैसियत से श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन अपने प्रतिष्ठान मैसर्स जे.के. एाजेन्सीज प्लॉट नं0 24 कृषि मण्डी गेट नं0 2 के सामने झिलाई रोड निवाई जिला टोंक पर खाद्य पदार्थ नमकीन, मसाले, कन्फैक्शनरी व अन्य खाद्य पदार्थ का कारोबार करते हुए उपस्थित मिला, श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन को अपना परिचय दिया एवं परिचय लिया तथा पूछने पर श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन ने स्वयं को प्रतिष्ठान का एकमात्र मालिक होना स्वीकार किया एवं मौके पर खाद्य अनुज्ञा बिकी प्रपत्र दिखाया।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रतिष्ठान का निरीक्षण करने पर पाया कि आम जनता को विक्रय हेतु दुकान में नमकीन, मसाले, कन्फैक्शनरी के साथ–साथ दुकान की रैंक में लगभग 20 बोतल पैक्ड अवस्था में प्रत्येक बोतल 700–700 ग्राम **रेड चिली सॉस (श्री श्याम ब्राण्ड)** रखा हुआ था, जिसे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत देखने व निरीक्षण करने पर मानक स्तर का न होने एवं मिलावट की शंका होने पर श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन को फार्म नं. 5 ए में वास्ते नमूना क्रय करने हेतु नोटिस देकर

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
टोंक

नोटिस की रशीद प्राप्त की एवं दो प्रतियों में नियमानुसार भरकर एफ.बी.ओ. को सूचित कर प्रतियों में विक्रेता श्री नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन व गवाहान के हस्ताक्षर करवाये व आवेदक ने स्वयं हस्ताक्षर मय सील मोहर किये व हस्ताक्षर कर तस्दीक किया। एक प्रति विक्रेता को वास्ते सूचनार्थ सुपुर्द कर विक्रेता को बताकर कि दुकान की रैंक में लगभग 20 बोतल पैक प्रत्येक बोतल 700–700 ग्राम पैक पैक्ड अवस्था में से **रेड चिली सॉस (श्री श्याम ब्राण्ड)** के बैंच नम्बर ए 21 एवं पैकिग की दिनांक 15 सितम्बर 2025 थी, को ज्यों का त्यों मूल पैक अवस्था में 4 मूल बोतल पैक वास्ते नमूना जांच क्रय किया जा रहा है, जिसकी कीमत विक्रेता को नगद देकर रसीद प्राप्त की।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खरीदशुदा **रेड चिली सॉस (श्री श्याम ब्राण्ड)** 4 मूल बोतल पैंक को अलग–अलग ज्यों का त्यों खाकी कागज से लपेटकर नियामनुसार चार अलग–अलग भाग तैयार कर, नियामनुसार लेबल तैयार कर, नियमानुसार लेबल तैयार कर प्रत्येक भाग गोंद से अच्छी तरह चिपकाया। प्रत्येक लेबलों पर डी.ओ. के कोड एवं कमांक आई–4625 दर्ज कर, आवेदक ने हस्ताक्षर किये एवं विक्रेता व गवाहान के हस्ताक्षर कराकर प्रत्येक भाग पर गोंद से अच्छी तरह चिपकाया। चारों नमूना भागों को अलग–अलग 2 खाकी कागज में लपेटकर गोंद से अच्छी तरह चिपकाकर प्रत्येक भाग पर डी.ओ. टोंक की हस्ताक्षर शुदा पेपर स्लिप नं. आई–4625 नीचे से ऊपर तक गोलाई में गोंद से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर विक्रेता एवं गवाहों के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवायें कि पेपर स्लिप व रेपर दोनों पर आये।चारों नमूना भागों को नियमानुसार मौके पर तैयार कर चारों नमूना भागों को अपने जाप्ते में लिया तथा मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार की।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कार्यालय पहुँच कर फार्म नं. 6 की छः प्रतियॉ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया तथा एक नमूना भाग मय फार्म सं. 6 की प्रति के आउटर कवर में रखकर सील मोहर कर सील चपड़ी कर खाद्य विश्लेषक राज्य केन्द्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जयपुर को जमा करवाकर रसीद प्राप्त की।

विक्रेता नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन मैसर्स जे.के. एाजेन्सीज प्लॉट नं0 24 कृषि मण्डी गेट नं0 2 के सामने झिलाई रोड निवाई जिला टोंक ने बतौर वारन्टी कोई खरीद बिल प्रस्तुत नहीं किया।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को डी.ओ. एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, टोंक के पत्र क्रमांक एफएसएसए/2025/4711 दिनांक 26.12.2025 के द्वारा ज्ञात हुआ कि खाद्य विश्लेषक जयपुर से प्राप्त जांच रिपोर्ट सं.एलएस/5069/एक्ट/2025/5374 दिनांक 15.12.2025 के अनुसार विक्रेता से वास्ते मानक स्तर की जांच करवाने हेतु क्रय किया गया **रेड चिली सॉस (श्री श्याम ब्राण्ड)** खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2006 एवं नियम व विनियम 2011 की धारा 3(1)(zx) के अनुसार **अवमानक(Sub-Standard)**स्तर का होना पाया गया। अतः आवेदक ने विक्रेता के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थी नरेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री पारस चन्द जैन स्वयं उपस्थित हुए। अप्रार्थी ने बहस की तथा बहस में निवेदन किया कि उक्त खाद्य पदार्थ में किसी तरह की मिलावट/दोष नहीं है। यह मानव उपयोग के लिए किसी तरह हानिकारक नहीं है। उक्त खाद्य पदार्थ केवल कुछ

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट टोंक

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
टोंक

मानकों को पूरा नहीं करता है। अतः प्रकरण का न्यूनतम शास्ति के साथ निस्तारण किया जावें।

पेरोकार सरकार की बहस सुनी गई। पेरोकार सरकार ने बहस के दौरान प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए निवेदन किया कि अप्रार्थी जिस **रेड चिली सॉस (श्री श्याम ब्राण्ड)** का विक्रय कर रहे थे वह जांच में **अवमानक (Sub-Standard)** स्तर का होना पाया गया है जो कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 51 (सहपठित धारा 49) में जुर्माने की श्रेणी में आता है, इसलिए अप्रार्थी को भारी से भारी जुर्माने से दण्डित किया जावें।

हमने अप्रार्थी एवं पेरोकार सरकार की बहस सुनी एवं बहस परं मनन किया व पत्रावली का अवलोकन किया। अप्रार्थी के पास से लिया गया **रेड चिली सॉस (श्री श्याम ब्राण्ड)** का नमूना जांच में **अवमानक (Sub-Standard)** स्तर का होना पाया गया है। उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम 2006 एवं नियम व विनियम 2011 की धारा 26(2) की उप धारा (ii) के अन्तर्गत अपराध तथा धारा 51(सहपठित धारा 49) के अन्तर्गत जुर्माने की श्रेणी में आता है। अतः अप्रार्थी के विरूद्ध प्रार्थना पत्र प्रमाणित होने से अप्रार्थीगण पर कुल शास्ति रूपये 15,000/— (अक्षरे पन्द्रह हजार रूपये) आरोपित की जाती है। अभियुक्त उक्त दण्ड की राशि जरिये चालान से राजकोष में संबंधित मद में निर्णय दिनांक से एक माह के अन्दर जमा कराकर रसीद पेश करें। एक माह के अन्दर शास्ति जमा नहीं करवाने पर शास्ति वसूली की कार्यवाही हेतु निर्णय प्रति खाद्य सुरक्षा अधिकारी, टोंक को भिजवायी जावें। प्रकरण में लिये गये नमूने को अपील की अवधि व्यतीत होने के पश्चात नियमानुसार नष्ट कर दिया जावें। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दिनांक 17/4/26 को खुले न्यायालय में लिखा जाकर सुनाया गया।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट टोंक

(रामरतन सौकरिया)
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट टोंक
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
टोंक—राज